जोधपुर ग्रामीण न्यायालय, बीकानेर व नागौर कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली

बीकानेर में आये ई-मेल में लिखा कि दोपहर दो बजे 14 बम ब्लास्ट होंगे, ड्रोन का इस्तेमाल किया है

- जोधपुर ग्रामीण न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया और जांच की
- किसी प्रकार की अवांछनीय सामग्री नहीं मिली, पुलिस के बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वायड आदि के साथ सर्च जारी रहा

बीकानेर/ जोधपुर/ नागौर, (निसं)। बीकानेर में जिला एवं सत्र न्यायालय को गुरुवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कोर्ट परिसर को खाली करवाया। वहीं जोधपुर ग्रामीण न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद एक बार फिर प्रशासन हरकत में आया। न्यायालय परिसर को खाली करवाने के साथ आस पास पार्किंग स्टैण्ड पर भी सर्च चलाया गया। सूचना मिलने के साथ पुलिस उपायुक्त पूर्व पीडी नित्या और अन्य अधिकारियों ने मोर्चा संभाल लिया। दोपहर तक किसी प्रकार की अवांछनीय सामग्री नहीं मिली। पुलिस का बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वायड आदि के साथ सर्च जारी रहा। इसी प्रकार नागौर शहर के कोर्ट परिसर को बम से उड़ाने की सूचना के बाद हड़कंप मच गया। ई-मेल के माध्यम से नागौर कोर्ट और मेड़ता कोर्ट परिसर में बम होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया और तत्काल प्रभाव से कोर्ट परिसर को खाली करवा लिया गया।

जानकारी के अनुसार बीकानेर में गुरुवार सुबह 4:42 पर धमकी से भरा ई-मेल आया था। इसमें लिखा है कि दोपहर 2 बजे एक 14 साइनाइड बम लगा ब्लास्ट होंगे। 11 बजे तक कोर्ट को खाली करवा लें। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सुरक्षा को देखते हुए कोर्ट परिसर खाली करवाया और तलाशी शुरू की। इस दौरान कोर्ट परिसर में लगे बैंच से लेकर पार्किंग तक में एक-एक कर सभी वाहनों को चेक किया गया। धमकी भरे ई-मेल मिलने के बाद यहां लोगों की आवाजाही बंद कर दी। लोगों को भी अंदर जाने से मना कर दिया गया। कोर्ट परिसर में पुलिस जाब्ता भी तैनात रहा। यहां एंट्री पर रोक लगा दी गई है।

एसपी कार्वेंद्र सिंह सागर ने बताया कि ये मेल 5 मार्च को सुबह 4 बजे आया है। इसमें लिखा है कि ठीक दोपहर 2 बजे कोर्ट में 14 साइनाइड बम ब्लास्ट होंगे। साथ में लिखा है आज होने वाले ब्लास्ट के लिए हथियारों से हुए नुकसान का अंदाजा कोर्ट के अंदर एपिसेंटर से 1.75 किमी रेडियस लगाया है। सुरक्षित रहने के लिए सुबह 11 बजे तक सभी को निकाल लें। 14 डिवाइस लगाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया है। इसकी जानकारी मिलने के बाद टीम यहां पहुंच गई थी। कोर्ट परिसर के साथ ही पूरी बिल्डिंग, छत और पार्किंग समेत अन्य हिस्सों को देखा गया। ई-मेल किसने किया था और कहां से आया था, इसकी जांच की जा रही है। घटना की सूचना पर एडीएसपी चक्रवर्ती सिंह राठौड़ भी मौके पर पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। वहीं बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय पुरोहित ने सभी अधिवक्ताओं और न्यायिक कर्मचारियों को तुरंत अदालत परिसर छोड़कर सुरक्षित स्थान पर जाने की अपील की।

अजय पुरोहित ने कहा कि अदालत परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है, इसलिए सभी लोग तत्काल परिसर खाली कर दें। साथ ही जो वकील अभी तक कोर्ट नहीं पहुंचे हैं, उन्हें भी फिलहाल अपने घरों में ही सुरक्षित रहने की सलाह दी गई है। धमकी के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा पूरे परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया। ई-मेल भेजने वाले की पहचान करने के लिए मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। बीकानेर जिला एवं सत्र न्यायालय को गुरुवार को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस ने एहतियातन नोखा कोर्ट परिसर की भी जांच की। पुलिस उप अधीक्षक जनरैल सिंह और नोखा थानाधिकारी अरविंद भारद्वाज पुलिस बल के साथ नोखा अपर जिला एवं सत्र न्यायालय पहुंचे।

सीओ जनरैल सिंह ने बताया कि बीकानेर कोर्ट को धमकी भरा ई-मेल मिला था। एहतियात के तौर पर नोखा पुलिस ने कोर्ट परिसर में स्थित सभी एसीजेएम और जेएम क्वार्टर्स का निरीक्षण किया। जांच के दौरान परिसर में कोई संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति नहीं मिला। पुलिस फिलहाल पूरे मामले की जांच में जुटी है और कोर्ट परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

जोधपुर में अब ग्रामीण न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी, परिसर कराया खाली :- राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर-जयपुर को कई बार बम से उड़ाने की धमकियां मिल चुकी है। धमकी भरे ई-मेल मिलने के बाद प्रशासन हरकत में आता रहा है। मगर हाथ कुछ नहीं लगता। हर बार फौरी धमकी दी जा रही है। गुरूवार को जोधपुर ग्रामीण न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद एक बार फिर प्रशासन हरकत में आ गया। दोपहर तक किसी प्रकार की अवांछनीय सामग्री नहीं मिली है।

राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर और जयपुर पीठ गत दिनों बम से उड़ाने की धमकी के मामले का खुलासा ही नहीं हुआ और गुरूवार को डीजे ग्रामीण कोर्ट को उड़ाने की धमकी ई-मेल के जरिये दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। मौके पर बम निरोधक दस्ते को भी बुलाया गया और कोर्ट को खाली कराकर सघन तलाशी अभियान चलाया गया। जिला एवं सेशन न्यायाधीश ने समस्त न्यायालयों के कर्मचारी एवं पीठासीन अधिकारियों को जिला न्यायालय जोधपुर ग्रामीण की अधिकृत ई-मेल आईडी पर बम ब्लास्ट की मेल प्राप्त होने से आगामी आदेश तक न्यायालय परिसर एवं कार्यालय तुरंत खाली कर सुरक्षित एवं खुले स्थान पर प्रस्थान जाने के निर्देश दिए गए।

नागौर कोर्ट परिसर में नहीं मिली कोई संदिग्ध वस्तु :- ई-मेल के माध्यम से नागौर कोर्ट और मेड़ता कोर्ट परिसर में बम होने की सूचना मिली थी। सुरक्षा के मद्देनजर पूरे परिसर को छावनी में तब्दील कर दिया गया तथा आमजन और वकीलों की आवाजाही पर अस्थायी रोक लगा दी गई। पुलिस ने अजमेर से स्निफर डॉग्स और बम निरोधक दस्ता बुलाया। जब तक टीम नागौर नहीं पहुंची, तब तक स्थानीय पुलिस ने कोर्ट परिसर की घेराबंदी कर रखी और हर गतिविधि पर नजर बनाए रखी। बाद में स्निफर डॉग्स और बम निरोधक दस्ते की टीम ने नागौर व मेड़ता दोनों कोर्ट परिसरों में सघन तलाशी अभियान चलाया। टीम ने एक-एक कोने की बारीकी से जांच की, लेकिन कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। नागौर कोतवाल वेदपाल ने बताया कि सूचना की गंभीरता को देखते हुए व्यापक स्तर पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया, परंतु जांच में कोई भी संदिग्ध सामग्री बरामद नहीं हुई। उन्होंने कहा कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह सामान्य है और कोर्ट परिसर सुरक्षित है। जांच पूरी होने और स्थिति स्पष्ट होने के बाद पुलिस ने वकीलों को पुन: अदालत परिसर में प्रवेश की अनुमति दी।

पत्नी ने नाबालिग पुत्र के साथ मिलकर पति की हत्या की

- पति के शराब पीने और लड़ाई-झगड़ा व मारपीट करने से परेशान थी पत्नी
- पुलिस टीम में मामले में चार को गिरफ्तार किया, वहीं नाबालिग को डिटेन किया

बांसवाड़ा, (निसं)। पति के शराब पीने और लड़ाई-झगड़ा व मारपीट करने से त्रस्त पत्नी ने अपने नाबालिग पुत्र के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। पति पेशे से चालक था। ऐसे में पत्नी गांव वालों को कहती रही कि पति कहीं बाहर गया है और हत्या के दसवें दिन उसने सदर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई और संयोग से उसी दिन पति का शव नाले में मिला। परिजनों ने शव का पीएम करवाकर अन्तिम संस्कार भी करवा दिया, लेकिन जब गांव वालों को शक हुआ तो मृतक के भाई ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी, एएसपी नरपत सिंह भाटी के सुपरविजन तथा पुलिस उप अधीक्षक गोपीचंद मीणा के निकट पर्यवेक्षण में सदर थानाधिकारी प्रोबेश्वर आरपीएस सुहासी जैन के नेतृत्व में गठित टीम ने जब इसका राजफाश किया तो चौकाने वाला मामला सामने आया।

थानाधिकारी रूपसिंह ने बताया कि गत एक तारीख को प्रार्थी वेजा पुत्र मकन चरपोटा निवासी खेड़ापाड़ा टामटिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके घर से कुछ दूरी पर बड़ा भाई विट्ठल परिवार सहित रहता है। विट्ठल के साथ उसकी पत्नी नीमा व उसका नाबालिग पुत्र रहता है। विट्ठल वाहन चालक था और शराब पीने का आदी भी, जिससे वह शराब के नशे में परिवार से झगड़ा करता रहता था। लगभग दस दिन पूर्व गांव वालों को विट्ठल की पत्नी नीमा व पुत्र ने बताया कि विट्ठल कहीं चला गया है तो गांव वालों ने सोचा कि गाड़ी चलाने के लिये कहीं चला गया होगा। काफी दिनों तक विट्ठल का पता नहीं चला तो परिवारजनों ने इधर-उधर तलाश की और पत्नी को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने के लिये कहा। इस पर 26 फरवरी को नीमा ने अपने पति विट्ठल की गुमशुदगी की रिपोर्ट सदर थाने में दर्ज कराई। इधर इसी दिन विट्ठल का शव सुंदनपुर पानी के नाले में मिला। परिजनों ने शव की पहचान की और 27 फरवरी को पुलिस को रिपोर्ट दी जिस पर शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सुपुर्द किया गया और बाद में अंतिम संस्कार करवा दिया गया।

इधर विट्ठल की मौत को लेकर गांव वालों को शंका हुई तो इस बारे में पूछताछ शुरू की। पूछताछ के दौरान हरीश पुत्र हुका ने बताया कि 18 फरवरी की रात को विट्ठल की पत्नी नीमा, उसका नाबालिग पुत्र, रंजना पत्नी अनिल, शारदा पत्नी जालमा मेरे घर पर आये तथा नीमा व उसके नाबालिग पुत्र ने कहा कि विट्ठल शराब के नशे में आये दिन झगड़ा करता था जिससे वे तंग आ चुके थे। आज भी शराब के नशे में विट्ठल ने पत्नी और पुत्र से झगड़ा किया, गाली-गलौच की तो दोनों ने मिलकर रूमाल से गला घोंटकर उसको मार डाला। उसके शव को पानी में डालना है इसलिये तुम्हारी मदद की जरूरत है। नीमा हरीश की बड़ी साली होने के कारण विट्ठल के घर गया और विट्ठल के शव छपरे पर पड़ा था। उसे हम पांचों लकड़ी की सीढ़ी पर रखकर पैदल-पैदल ले जाकर गांव से गुजर रहे पानी के नाले में डाल आये। सागड़ौद तालाब का गेट खुलने से नाले में पानी का बहाव तेज हो जाने से शव बहकर सुंदनपुर पहुंच गया। पुलिस टीम में मामले में पांचों को डिटेन किया व सभी से पूछताछ व तकनीकि अनुसंधान कर चारों को गिरफ्तार किया वहीं नाबालिग को डिटेन किया।

युवक की दम घुटने व जलने से मौत

उदयपुर, (निसं)। जिले के पानरवा गांव में दम घुटने एवं जलने से युवक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पानरवा गांव निवासी भेरूलाल (45) पुत्र रामलाल बुधवार रात में अपने कमरे में सोया था। दूसरे दिन जाग नहीं होने पर खिड़की से देखा तो वह पलंग पर पड़ा हुआ था एवं कमरे में धुआं हो रहा था। इस पर किवाड़ तोड़ कर उसे बाहर निकाल चिकित्सायल पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। इधर सूचना मिलने पर पानरवा थानाधिकारी भगीरथ, एएसआई प्रकाश मय जाब्ता ने मौके पर पहुंच कर मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा।

बताया जा रहा है कि बुधवार को धुलंडी खेलने के बाद भेरू शराब के नशे में घर आया था, जहां किसी बात को लेकर विवाद होने पर वह कमरे में कुंदी लगा कर सो गया था। रात में तिगारी में लगे अंगारे पास में रखे थे, जिसकी चिंगारी लगने से रात में धुआं उठने के साथ ही आग लग गई, जिसके चलते चारपाई में आग लगने से वह झुलस गया था। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

अजमेर में सूने मकान से चार लाख नकद व जेवर चोरी

- परिवार के जैन तीर्थ नागेश्वर धाम जाने के दौरान हुई चोरी की वारदात
- वारदात के बाद चोर जल्दबाजी में एक थैला, पेचकस सहित कुछ सामान छोड़ गये

अजमेर, (कासं)। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित सुंदरविलास इलाके में सूने मकान को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोरों ने लाखों रुपए की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर मकान का ताला तोड़कर भीतर घुसे और अलमारी का लॉक तोड़कर करीब चार लाख रुपए नकद तथा सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मकान मालिक गौतमचंद जैन अपने परिवार के साथ जैन तीर्थ स्थल नागेश्वर धाम गए हुए थे और घर पर ताला लगाकर गए थे। इसी दौरान सूने मकान का फायदा उठाते हुए चोरों ने देर रात मकान में घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि सुबह पड़ोसी ने गौतमचंद जैन को फोन कर सूचना दी कि उनके मकान से तीन युवक बैग लेकर निकलते हुए दिखाई दिए हैं। सूचना मिलने पर गौतमचंद जैन तुरंत अजमेर पहुंचे और घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की। फुटेज में तीन संदिग्ध युवक मकान में आते-जाते नजर आए। चोरी की वारदात के बाद चोर जल्दबाजी में एक थैला, पेचकस सहित कुछ सामान मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए। मकान में सामान बिखरा हुआ मिला और अलमारी के लॉक टूटे हुए पाए गए।

घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मौका मुआयना किया। मकान मालिक गौतम चंद जैन की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और संदिग्ध युवकों की पहचान कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

1.50 लाख की नगदी और आभूषण चोरी : -जोधपुर शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस थाना क्षेत्र में दो महिने से बंद एक मकान में चोरी हो गई। चोरी का पता तब लगा जब सोसायटी के लोग होली पर चंदा मांगने आए। अज्ञात चोर घर से डेढ़ लाख की नगदी के साथ सोने चांदी के लाखों के आभूषण के साथ सैनेट्री का सामान भी ले गए। चौहाबो पुलिस ने मामला दर्ज कर अब जांच आरंभ की है।

पुलिस ने बताया कि यूआईटी कॉलोनी, शंकर नगर पेट्रोल पंप के सामने रहने वाली गरिमा सिंह पुत्री ओमसिंह ने यह रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसके मां पिताजी इलाज के लिए उदयपुर बड़ी बहन के पास गए हुए हैं। घर दो महिनों से बंद है। एक मार्च को सोसायटी वाले होली का चंदा लेने आए तब उनको घर के ताले टूटने की जानकारी मिली। इस पर सोसायटी वालों ने उसके पिता ओमसिंह को सूचना दी। बाद में रिश्तेदार ने आकर यहां चैक किया तब पता लगा कि घर के पीछे का भी ताला टूटा हुआ है। दो मार्च को गरिमा खुद मुंबई से लौटी तब पता पता लगा कि चोर घर से नगदी और जेवर ले गए।

युवक की मौत

मसूदा, (निसं)। मसूदा थाना क्षेत्र के ग्राम रूपाहेली कला में पेड़ से गिरने से चन्द्र सिंह की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया।

मृतक के पिता ओम सिंह पुत्र प्रेम सिंह ने पुलिस को रिपोर्ट में बताया कि बुधवार को मेरा पुत्र चन्द्रसिंह (20) पेड़ के उपर चढ़कर टहनियों को काट रहा था कि अचानक पर फिसलने में वह नीम से पेड़ ऊंचाई से नीचे की और गिर गया जिससे उसके शरीर पर चोटें आई। घायल को निजी वाहन से जिला चिकित्सालय पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना मसूदा पुलिस को मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया। युवक को पेड़ से गिरने से मौत हो जाने पर महिला चिकित्सक द्वारा पोस्टमार्टम करने से मना कर देने से मृतक का पोस्टमार्टम 3 घंटे बाद विधायक के हस्तक्षेप के बाद हुआ। विधायक ने चिकित्सालय पहुंचकर परिजनों से जानकारी ली एवं चिकित्सा अधिकारी लखेंद्र सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय गहलोत से वार्ता कर एक चिकित्सक डॉ. सविता बुनकर को चिकित्सालय भेजा तब दोनों चिकित्सकों ने मोर्चरी में शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंपा।

'उदयपुर फाइल्स प्रकरण' में उदयपुर में दो धड़ों में बंटी भाजपा

- भाजपा का बड़ा धड़ा मामले के नेताओं पर चारित्रिक रूप से खराब होने का आरोप लगाकर पार्टी के पदों से हटाने के लिए लॉबिंग कर रहा है
- नेताओं ने शिकायत में कहा कि इस कांड के पदाधिकारियों के पद पर रहने पर आगामी निगम चुनाव में संगठन को बड़ा नुकसान के साथ विपक्ष को बड़ा मुद्दा मिल जाएगा
- पार्टी का दूसरा धड़ा अपने आपको निर्दोष बताते हुए दो केन्द्रीय मंत्रियों के जरिए अपने आपको राजनीति का शिकार बता रहा है
- उदयपुर में भाजपा नेत्री के कथित वीडियो कांड के जांच अधिकारी को बदलने के बाद चर्चाएं तेज हुई

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में भाजपा नेत्री के कथित वीडियो कांड के जांच अधिकारी को बदलने के बाद चर्चाएं तेज हो गई हैं। भाजपा का बड़ा धड़ा मामले के नेताओं पर चारित्रिक रूप से खराब होने का आरोप लगाकर पार्टी के पदों से हटाने के लिए लॉबिंग कर रहा है। उन्हें अब जांच अधिकारी के बदलने पर कुछ नेताओं के नाम सामने आने की उम्मीद है।

नेताओं ने शिकायत में कहा कि इस कांड के पदाधिकारियों के पद पर रहने पर आगामी निगम चुनाव में संगठन को बड़ा नुकसान के साथ विपक्ष को बड़ा मुद्दा मिल जाएगा। इस पर पार्टी की छवि को सुधारना बहुत ज्यादा मुश्किल होगा। वहीं पार्टी का दूसरा धड़ा अपने आपको निर्दोष बताते हुए दो केन्द्रीय मंत्रियों के जरिए अपने आप को राजनीति का शिकार बता रहा है। उनका कहना है कि कुछ नेताओं द्वारा टारगेट कर दुष्प्रचार किया जा रहा है। जबकि ऐसे कोई सबूत ही नहीं हैं। बिना सबूत के क्यों इस्तीफा दें।

जयपुर से लेकर दिल्ली तक रोजाना बडे घटनाक्रम की अपडेट दी जा रही है। इसी बीच राष्ट्रीय नेतृत्व के पदाधिकारियों और सीएम भजनलाल शर्मा ने भी इस मामले पर जल्द निष्पक्ष जांच के बाद ही कार्रवाई का आश्वासन दिया है। यही नहीं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी इस मामले को उदयपुर फाइल्स का नाम देकर विधानसभा में उठाया था।

गौरतलब है कि पिछले दिनों उदयपुर में जनसुनवाई के दौरान पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से आरोपी के परिवार ने पुलिस और भाजपा नेताओं की कार्यशैली पर सवाल खड़े करते हुए तोड़फोड़ करने के आरोप लगाए थे। आरोपी के परिवार ने निष्पक्ष जांच के बाद कार्रवाई करवाने की मांग की थी। इस मामले पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, आरएलपी प्रमुख हनुमान बेनीवाल और बीएपी सांसद राजकुमार रोत भी भाजपा को आडे हाथ ले चुके हैं।

जानकारी के अनुसार उदयपुर में गत 11 फरवरी को भूपालपुरा थाने में भाजपा महिला नेता ने एक वकील पर एआई के जरिए अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का मामला दर्ज करवाया था। इस पर पुलिस ने रात करीब 3 से 4 बजे के बीच कार्रवाई कर वकील को उसके घर से उठाया था। महिला नेता के साथ तथाकथित कई बड़े पदाधिकारियों के साथ आपत्तिजनक स्थिति में होने की बात कही जा रही है। इस दौरान कुछ लोगों ने हाथ में सरिए और अन्य औजारों के साथ वकील के घर में घुसकर तोडफोड की थी। इस पर आरोपी के परिवार ने पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से मिलकर जबरन घर में घुसकर हथियार लेकर आए युवकों और पुलिस पर टॉर्चर के आरोप लगाए थे। इस मामले को ले कर उदयपुर से लेकर प्रदेश तक के भाजपा नेताओं ने चुप्पी साध रखी है।

दुबई में फंसे 120 भक्तों का दल जोधपुर लौटा

कथावाचक सूरसागर बड़ा रामद्वारा के संत अमृतराम महाराज के साथ कथा श्रवण करने गए थे

- 'दुबई में एयरपोर्ट बंद होने की वजह से फंस गए थे, जितना माहौल सोशल मीडिया के जरिए बताया जा रहा है, उतना खराब नहीं है'

जोधपुर, (कासं)। दुबई में फंसे जोधपुर के 120 भक्तों का दल गुरुवार को जोधपुर लौट आया। ये सभी लोग कथावाचक सूरसागर बड़ा रामद्वारा के संत अमृतराम महाराज के साथ कथा श्रवण करने गए थे।

जोधपुर आने पर लोगों ने कहा कि 28 फरवरी को कथा समाप्ति पर वे लोग एयरपोर्ट पहुंचे तो मालूम हुआ कि फ्लाइट नहीं जाएगी। इससे सभी लोग डर गए थे। दुबई एयरपोर्ट गए तो होटल जाने को बोला गया। हमारे पास पैसे भी खत्म हो रहे थे। वहीं होटल वालों ने भी किराया बढ़ा दिया था। ऐसे में दुबई में रहने वाले माहेश्वरी, माली, राजपुरोहित, जांगिड़, राजपूत समाज के लोगों ने मदद की। ये सभी युद्ध के कारण फंस गए थे, जो आज आ गए हैं।

जानकारी के अनुसार दुबई में जोधपुर के सूरसागर बड़ा रामद्वारा के संत अमृतराम महाराज की 24 से 28 फरवरी तक कथा थी। महाराज समेत जोधपुर शहर से 120 श्रद्धालु 23 फरवरी को दुबई गए थे। 28 फरवरी को कथा समापन के बाद वापस लौटना था, ऐसे में एयरपोर्ट पहुंच गए थे। युद्ध के चलते सभी को एयरपोर्ट से वापस मीना बाजार स्थित एक होटल भेज दिया गया था।

120 भक्तों में से 76 यात्री दुबई से कोच्चि और 30 यात्री अहमदाबाद पहुंच गए थे। 14 लोग दुबई में थे। आज अलग-अलग रूट से सभी जोधपुर लौटे। कैलाश भूतड़ा ने बताया कि दुबई में एयरपोर्ट बंद होने की वजह से फंस गए थे, जितना माहौल सोशल मीडिया के जरिए बताया जा रहा है, उतना खराब नहीं है।

भूतड़ा ने बताया कि महाराज की कथा का एक लाख रुपए प्रति व्यक्ति का पैकेज था। यह बजट बढ़कर तीन लाख रुपए तक पहुंच गया। हालांकि फ्लाइट कैंसिल होने पर वहां भारत के रहने वाले लोगों से पैसों में काफी मदद मिली। कथा में ले जाने वाले महाराज का भी इतना सहयोग नहीं मिला। त्रिलोकनाथ ने बताया कि वो 23 फरवरी को गए थे। 28 की रात को वापस लौटने वाले थे, लेकिन युद्ध के चलते फ्लाइट भी कैंसिल हो गई। इसके बाद वापस होटल पहुंचे तो होटल वालों ने किराया बढ़ा दिया। वहां पर अभिमन्यु सिंघवी ने मदद की।

गोकुलजी की प्याऊ के रहने वाले ललित देवड़ा ने बताया कि युद्ध के चलते उन्हें एयरपोर्ट से वापस होटल जाना पड़ा था। एक कमरे के करीब बीस-बीस हजार रुपए लिए गए। इसके बाद माहेश्वरी समाज के दबाव में दस हजार रुपए किए। वहां से दो फ्लाइट मिली थी। एक शारजाह से कोच्चि और दूसरी दुबई से अहमदाबाद की फ्लाइट थी। जिसे जो फ्लाइट मिली, उससे भारत आए और अब अपने-अपने हिसाब से जोधपुर आए। सूरसागर बड़ा रामद्वारा के संत अमृतराम महाराज और मनोहर दास महाराज ने दुबई ले जाने के लिए प्रतिव्यक्ति 90 हजार रुपए लिए थे।

सूरसागर बड़ा रामद्वारा के संत अमृतराम महाराज ने बताया कि दुबई का माहौल तो ठीक ही था, लेकिन 28 फरवरी को हुए ब्लास्ट के चलते एक दिन थोड़ी घबराहट रही। उस दिन 120 लोग साथ थे। यह चिंता थी कि इतने लोगों को कैसे मैनेज किया जाए, लेकिन सब ठीक हो गया। हालांकि वहां रह रहे भारत के लोगों ने खूब सेवा की।। मनोहर दास महाराज ने बताया कि कथा के आखिरी दिन हम आबूधाबी जाने वाले थे, लेकिन वहां पर धमाका हो गया था।

युवक को पीटा, बचाव में आए परिजनों पर भी हमला किया

- गांव नदीगांव की है घटना, गांव में पुलिस जाब्ता तैनात

रुदावल/भरतपुर, (निसं)। रुदावल थाना क्षेत्र के नदीगांव में नामजदों ने युवक के साथ बेरहमी से मारपीट कर निर्वस्त्र कर अपमानित भी किया। जब पीड़ित के परिजन उसे बचाने पहुंचे, तो उन पर भी कांच की बोतलों और लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिसमें कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीशनल एसपी हरिराम कुमावत सहित रुदावल एसएचओ मय जाब्ता के मौके पर पहुंचे और घायलों को उपचार के लिए चिकित्सालय पहुंचाया। गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस जाब्ता तैनात कर दिया है। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने नामजदों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रुदावल पुलिस ने बताया कि नदीगांव निवासी राहुल पुत्र गिर्राज सिंह जाटव ने मामला दर्ज कराते हुए बताया कि बुधवार शाम को उसका चाचा गजराज और ग्रामीण भूपसिंह व भगोरन प्लांट की तरफ से आ रहे थे। रास्ते में ऋषि ठाकुर ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि ऋषि ने गजराज के साथ मारपीट की, जातिसूचक गालियां दी और उसे निर्वस्त्र कर दिया। जब पीड़ित पक्ष के लोग बीच-बचाव करने पहुंचे तो तेजसिंह, पुत्री और विशाल सहित 20-25 हमलावरों ने एकराय होकर हमला कर दिया। आरोपियों ने उन्हें भी जातिसूचक शब्द कहे और लाठी-डंडों व कांच की बोतलों से हमला कर दिया। हमले में चंदन, गिर्राज सिंह, राहुल और बॉबी को गंभीर चोटें आई हैं। घायलों में से गिर्राज और चंदन की हालत नाजुक होने के कारण उन्हें आरबीएम चिकित्सालय के लिए रैफर कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में शांतिभंग करने के आरोप में गौरव, प्रदीप राजपूत, हरगोविंद राजपूत, विजय कुशवाह, अंकित जाटव, भरत जाटव को गिरफ्तार किया है।

हनुमानगढ़ में मंदिर से लौटते समय युवक की हत्या

दोस्तों पर पैसों के लालच में मारपीट कर हत्या का आरोप लगाया

- तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले के संगरिया थाना क्षेत्र में एक युवक की कथित तौर पर मारपीट कर हत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस संबंध में तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पहचान दौलतपुरा निवासी कालूराम नायक के रूप में हुई है। वह चंडीगढ़ में नौकरी करता था और होली पर 2 मार्च को अपने घर आया था। कालूराम अपने साथ वेतन के रूप में लगभग 36 हजार रुपए लेकर आया था। तीन मार्च को गांव के महेंद्र, हरबंश और पवन कुमार कालूराम के घर आए। उन्होंने कालूराम को भद्रकाली मंदिर में धोक लगाने के लिए साथ चलने को कहा। घर से निकलते समय कालूराम अपनी मां और भाई से 18 हजार रुपए लेकर अपनी जेब में रखकर उनके साथ बाइक पर चला गया। रिपोर्ट के अनुसार मंदिर से लौटते समय चारों महेंद्र के खेत में बैठकर शराब पीने लगे। इसी दौरान आरोपियों को पता चला कि कालूराम के पास पैसे हैं। आरोप है कि पैसों के लालच में तीनों ने मिलकर कालूराम के साथ मारपीट की, उसकी जेब से रुपए निकाल लिए और उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। बाद में उसकी मौत हो गई। शाम तक कालूराम के घर नहीं लौटने पर उसके भाई प्रकाश नायक ने फोन किया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। बाद में महेंद्र ने फोन कर बताया कि कालूराम की तबीयत खराब हो गई है। जब प्रकाश मौके पर पहुंचा, तो उसका भाई मृत अवस्था में मिला। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने महेंद्र, हरबंश और पवन कुमार के खिलाफ हत्या सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिनरल पाउडर भरने के दौरान ट्रक में आग लगी

मसूदा, (निसं)। पीपलाज रीको क्षेत्र में गुरुवार को एक मिनरल फैक्टरी में पाउडर भरने के लिए खड़े एक ट्रक में अचानक शार्ट शर्किट हो गया। शार्ट शर्किट के दौरान ट्रक के केबिन में आग लग गई। आग लगते ही आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने के बाद वहां काम करने वाले लोगों ने इसकी जानकारी दमकल विभाग को दी। जानकारी पर पारी प्रभारी बलरामसिंह दमकल वाहन के साथ मौके पर पहुंचे तथा आग पर काबू पाया। आग बुझाने के दौरान फायरमैन कृष्ण गुर्जर, धर्मेन्द्र कुमार एवं वाहन चालक रणजीत सिंह आदि शामिल रहे। बताया जा रहा है कि आग की घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

पालना गृह में छोड़ा नवजात

अजमेर, (कासं)। शहर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के शिशु रोग विभाग के बाहर बने आश्रय पालना गृह में एक अज्ञात युवक द्वारा करीब 8 से 10 दिन का नवजात बच्चा कपड़े के थैले में छोड़कर चले जाने का मामला सामने आया है।

जानकारी के अनुसार किसी अज्ञात युवक ने नवजात बच्चे को कपड़े के थैले में रखकर पालना गृह में छोड़ दिया। जैसे ही पालना गृह में लगे अलार्म सिस्टम का सायरन बजा, अस्पताल के नर्सिंगकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और बच्चे को पालना गृह से निकालकर शिशु रोग विभाग में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच के बाद बच्चे को उपचार के लिए भर्ती कर लिया है। चिकित्सकों के अनुसार नवजात की हालत फिलहाल स्थिर नहीं बताई जा रही है और उसका उपचार जारी है। अस्पताल का मेडिकल स्टाफ लगातार बच्चे की निगरानी कर रहा है। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि पालना गृह ऐसी ही परिस्थितियों के लिए बनाया गया है, ताकि किसी कारणवश यदि कोई नवजात को नहीं रख सकता तो उसे सुरक्षित तरीके से यहां छोड़ा जा सके और तुरंत उसे चिकित्सा सुविधा मिल सके। फिलहाल बच्चे की देखभाल अस्पताल प्रशासन की निगरानी में की जा रही है।